मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 43 ■ अंक : 76 ■ शनिवार, 31 मई 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

हाई-स्पीड मेट्रो से यात्रा कर सकेंगे बदलापुरवासी

देश की सबसे लंबी 39 किमी की होगी बदलापुर-कांजुर मार्ग मेट्रो लाइन

■ सरकार से मिली मंजूरी
■ निविदा प्रकाशित
■ 5 साल में पूरा करने का लक्ष्य

बदलापुर. बदलापुर निवासी अब हाई-स्पीड मेट्रो से यात्रा कर सकेंगे। देश की सबसे लंबी बदलापुर से कांजुरमार्ग तक 39 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन को सरकार की मंजूरी मिल गई है। इस कार्य के लिए निविदा समाचार पत्र में प्रकाशित हो चुकी है।

देश की सबसे लम्बी मेट्रो लाइन, बदलापुर से कांजुरमार्ग तक, मुम्बई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) द्वारा निजी भागीदारी के माध्यम से विकसित की जाएगी। इसके लिए निविदा जारी कर दी गई है और एमएमआरडीए ने इस काम को पांच साल के भीतर पूरा करने की चुनौती स्वीकार की है।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी देने के लिए विधायक किसन कथोरे के कार्यालय में एक पत्रकार परिषद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा समूह नेता राजेंद्र घोरपड़े और भाजपा ठाणे जिला महासचिव संभाजी शिंदे ने कहा कि बदलापुर से कांजुरमार्ग मेट्रो सेवा को महायुति सरकार ने मंजूरी दे दी है और इससे बदलापुर के लोगों को काफी फायदा होगा।

मेट्रो कार्य के लिए निविदा की घोषणा के साथ ही बदलापुर निवासियों का दैनिक आवागमन आसान हो जाएगा। इस मेट्रो पर कुल 15 स्टेशन हैं और यह मेट्रो सीधे मुंबई से जुड़ी होगी। साथ ही नवी मुंबई, ठाणे और भिवंडी सभी शहर बदलापुर शहर से जुड़ जाएंगे। वहीं, बदलापुर से कांजुरमार्ग मेट्रो-14 को वडाला-घाटकोपर-कासरवडवली मेट्रो-4, स्वामी समर्थ नगर जोगेश्वरी-कांजुरमार्ग मेट्रो-6, कांजुरमार्ग रेलवे स्टेशन और तीन अन्य स्थानों से इंटरचेंज बनाकर जोड़ा जाएगा।

15 मेट्रो स्टेशन बनेंगे

■ मेट्रो बदलापुर, पालेगांव, अंबरनाथ, निलजे, शिलफाटा, महापे, घनसोली से होकर गुजरेगी और कांजुरमार्ग तक पहुंचने के लिए ठाणे क्रीक को पार करेगी। इस पूरे मार्ग पर कुल 15 मेट्रो स्टेशन होंगे।

निविदाएं जमा कराने की अंतिम तिथि 29 जुलाई

बदलापुर के लोग बदलापुर से कांजुरमार्ग तक 39 किलोमीटर लंबी यात्रा तेज गति से कर सकेंगे। इसके लिए बदलापुर में मेट्रो कार शेड बनाया जाएगा। बदलापुर और कांजुरमार्ग के बीच 15 मेट्रो स्टेशन प्रस्तावित हैं। मेट्रो के लिए निविदा जारी कर दी गई है और एमएमआरडीए ने परियोजना को पूरा करने के लिए निजी कंपनियों से रुचि आमंत्रित की है। निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि निविदाओं की जांच की जाएगी और सीधे प्रस्ताव मांगे जाएंगे। राजेंद्र घोरपड़े ने कहा कि विधायक किसन कथोरे ने इस मेट्रो लाइन के लिए विशेष प्रयास किए। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा के बदलापुर पूर्व शहर अध्यक्ष रमेश सोलसे, अन्ना कुलकर्णी और कई अन्य भाजपा पदाधिकारी मौजूद थे।

प्रेमी युगल ने की आत्महत्या

अंबरनाथ के कुशिवली इलाके में पेड़ से लटके मिले शव

हिललाइन पुलिस में मामला दर्ज

अंबरनाथ. अंबरनाथ तालुका के ताहुली पर्वत की तलहटी में स्थित कुशिवली गांव के आसपास दो शव मिलने से हड़कंप मच गया है। एक युवक और युवती के शव पेड़ से लटके पाए गए। ऐसा संदेह है कि दोनों ने आत्महत्या की है। इन शवों के पास दो बैग पाए गए। यह संभव है कि यह कोई प्रेमी युगल हो। युवक-युवती का नाम मनीषा पाटिल और विवेक पाटिल बताया जा रहा है। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद हिललाइन पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को कब्जे में ले लिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल भेज दिया गया है। वहीं, दोनों कल्याण पूर्व के चिंचपाड़ा इलाके में रहते हैं। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि उन्होंने आत्महत्या क्यों की.

गुरुवार को अंबरनाथ शहर के प्रवेश द्वार पर एक सिरविहीन शव मिलने से हड़कंप मच गया। फिर शुक्रवार की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि अंबरनाथ तालुका के ताहुली पहाड़ की तलहटी में

स्थित कुशिवली गांव की सीमा के भीतर एक सुनसान जगह पर एक पेड़ से दो शव लटके हुए हैं। हिललाइन पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए उल्हासनगर के सरकारी सेंट्रल अस्पताल भेज दिया।

प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि ये शव एक युवक और युवती के हैं। दोनों शवों के पास उनके बैग भी पाए गए। एक बाइक भी मिली है। पुलिस ने प्रारम्भिक तौर पर अनुमान लगाया है कि दोनों प्रेमी युगल हैं। पुलिस ने भी प्रारंभिक संदेह व्यक्त किया है कि आत्महत्या प्रेम प्रसंग के कारण हुई होगी। बहरहाल, इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है।

अंबरनाथ तालुका में कुशिवली और आसपास का क्षेत्र मानसून के दौरान दर्शनीय क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। इस क्षेत्र में ताहुली पर्वत से कई झरने गिरते हैं। इसीलिए यहां बहुत से पर्यटक आते हैं। इस क्षेत्र में अक्सर अपराध होते रहे हैं। इसलिए अब इस घटना से ग्रामीणों में भय का माहौल है।

मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले को पंचायत राज अभियान पुरस्कार

उल्हासनगर. वर्तमान में उल्हासनगर मनपा की आयुक्त के रूप में कार्यरत मनीषा अव्हाले को 2023-24 की अवधि के दौरान सोलापुर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए यशवंतराव चव्हाण पंचायत राज अभियान पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा प्रदान किया गया।

इस अभियान के तहत सोलापुर जिला परिषद ने राज्य में तीसरा स्थान हासिल किया है और उसे 17 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया है। पंचायत राज संस्थाओं के चयन हेतु राज्य स्तरीय मूल्यांकन समिति

की बैठक सोमवार, 24 फरवरी 2025 को आयोजित की गई। इस बैठक में राज्य स्तरीय सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर वर्धा जिला परिषद को प्रथम स्थान, अमरावती को द्वितीय स्थान तथा सोलापुर जिला परिषद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। पुरस्कार समारोह आज, 28 मई को यशवंतराव चव्हाण ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। सोलापुर जिला परिषद में अपने कार्यकाल के दौरान मनीषा अव्हाले के नेतृत्व के कारण जिला परिषद को यह सम्मान प्राप्त हुआ।

हाल ही में उल्हासनगर महानगरपालिका को '100 दिवसीय कार्ययोजना' अभियान में प्रथम स्थान मिला तथा मनीषा अव्हाले को राज्य में सर्वश्रेष्ठ आयुक्त के रूप में सम्मानित किया गया। अब, सोलापुर जिला परिषद में उनके प्रदर्शन के लिए यह पुरस्कार उनकी कार्यकुशलता की एक और स्वीकृति है। हर जगह बधाइयाँ आ रही हैं।

काटई-अंबरनाथ राज्यमार्ग पर गड्ढों का साम्राज्य

अंबरनाथ. मानसून शुरू होने से पहले ही हुई बारिश ने अंबरनाथ शहर की मुख्य सड़कों पर लगी डामर की पट्टियां उखाड़ दी हैं। इसके कारण शहर की मुख्य सड़कों और जहां डामर है, वहां बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। इसके कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अंबरनाथ शहर के प्रवेश द्वार पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई है। इसलिए तत्काल मरम्मत की मांग की जा रही है।

अंबरनाथ शहर से दो महत्वपूर्ण सड़कें गुजरती हैं। काटई-अंबरनाथ राज्य मार्ग और कल्याण बदलापुर राज्य मार्ग शहर की परिवहन व्यवस्था में महत्वपूर्ण सड़कें हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों से इन सड़कों पर विभिन्न

कारणों से जाम लग रहा है। शास्त्री हिंदी विद्यालय से कल्याण बदलापुर राज्य मार्ग ऊबड़-खाबड़ है, इसमें छोटे-बड़े गड्ढे हैं और बीच-बीच में पेवर ब्लॉक के गड्ढे हैं, जिससे वाहन चालकों को परेशानी होती है। इसके कारण जगह-जगह जाम लग जाता है।

काटई अंबरनाथ रोड पर पिछले कई दिनों से सड़क चौड़ीकरण और कंक्रीटिंग का काम चल रहा है। इसलिए यह सड़क जल्द ही तेज यातायात के लिए उपलब्ध हो जाएगी। हालांकि, इस समय इस सड़क पर गड्ढों के कारण यात्रा करना परेशानी भरा हो गया है। अंबरनाथ शहर के पूर्वी प्रवेश द्वार पर कटाई अंबरनाथ रोड पर एचपी पेट्रोल पंप के पास बड़ी संख्या में गड्ढे हैं। मूल रूप से, इस क्षेत्र के दोनों ओर कंक्रीट की सड़क है, लेकिन सवाल यह उठता है कि केवल 50 मीटर का हिस्सा ही कंक्रीट का क्यों है। वहीं, इसी रोड पर पिंक सिटी की ओर जाने वाले कांटे के पास पूरी कंक्रीट की सड़क अचानक गड्ढों में बदल जाती है। इसके कारण वाहन चालक और खासकर दोपहिया वाहन चालक भ्रमित होते हैं। रात के अंधेरे में यह गड्ढा दिखाई नहीं देता। चूंकि यहां अचानक ढलान है और ठीक आगे एक और गड्ढा है, इसलिए चालकों के वाहन इस गड्ढे से टकराते हैं। इससे वाहनों के पुर्जे क्षतिग्रस्त हो रहे हैं।

सड़क पर चल रहे हैं विभिन्न प्रकार के काम

इसके अलावा, टी-जंक्शन चौराहे पर भी इसी तरह के गड्ढे हो गए हैं। यहां भी डामर की सड़क है। इसलिए फॉरेस्ट नाका जाने वाले वाहन यहीं रुकते हैं। ये वाहन धीमी गति से चलते हैं, जिसके कारण यहां भी ट्रैफिक जाम रहता है। देखा गया है कि यहां अक्सर स्ट्रीट लाइटें बंद रहती हैं। इसलिए यहां दुर्घटना की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए वाहन चालक मांग कर रहे हैं कि मुख्य मानसून सीजन शुरू होने से पहले यहां के गड्ढों को भर दिया जाए। कल्याण-बदलापुर राज्य राजमार्ग पर विभिन्न स्थानों पर विभिन्न प्रकार के काम चल रहे हैं। शास्त्री विद्यालय के सामने, विमको नाका पर चैनल बिछाने के लिए सड़क का एक हिस्सा खोदा गया है। इसका मलबा सड़क पर ही पड़ा हुआ है। इससे वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

मानेरे गांव में 2 फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज

■ कल्याण डोंबिवली मनपा ने की कार्रवाई
■ विट्ठलवाड़ी पुलिस थाने में मामला दर्ज

कल्याण. कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका द्वारा दो फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। डॉ. देवेन्द्र पुजारी और डॉ. श्रीकृष्ण कुमावत दोनों का नाम है। कुमावत के पास कोई मेडिकल योग्यता नहीं है, जबकि पुजारी के पास इलेक्ट्रो-होम्योपैथी में शैक्षणिक योग्यता है। यह कोई मान्यता प्राप्त चिकित्सा प्रक्रिया नहीं है। महानगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग ने दोनों के खिलाफ विट्ठलवाडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जब पाया गया कि दोनों अवैध रूप से चिकित्सा का काम कर रहे थे। दर्ज शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। केडीएमसी के मेडिकल ऑफिसर डॉ. समीर सरवणकर की शिकायत के आधार पर इन दोनों डॉक्टरों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता 2023 की धारा 318, 319 के साथ-साथ मेडिकल एक्ट 1961 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

डॉ. सरवणकर द्वारा प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में दी गई जानकारी यह है कि प्राप्त शिकायत के अनुसार, फरवरी 2024 में मनपा की एक

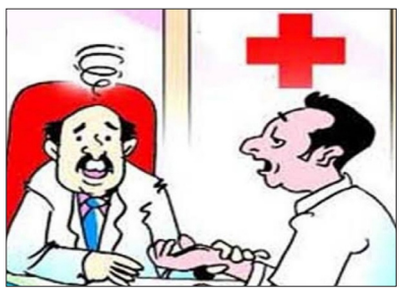

टीम उल्हासनगर के मानेरे गांव में साईं क्लिनिक पर गई थी। मनपा की ओर से फर्जी डॉक्टर खोज अभियान चलाया जा रहा था।

महानगर पालिका को मिली शिकायत के अनुसार कल्याण डोंबिवली मनपा की फर्जी डॉक्टर खोज टीम शाम करीब 7 बजे श्री साईं क्लिनिक पहुंची। उस समय प्रथम दृष्टया यह पाया गया था कि वहां अवैध रूप से चिकित्सा पद्धति संचालित की जा रही थी। इसके चलते श्रीकृष्ण कुमावत और देवेन्द्र पुजारी के खिलाफ विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है।

कुमावत के पास चिकित्सा का अभ्यास करने के लिए कोई शैक्षिक योग्यता नहीं है। पुजारी के पास इलेक्ट्रो-होम्योपैथी में शैक्षिक योग्यता भी है। हालाँकि, चूंकि इलेक्ट्रो-होम्योपैथी एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धति नहीं है और वैकल्पिक रूप से, इस पद्धति के चिकित्सकों को किसी भी चिकित्सा परिषद के साथ पंजीकृत नहीं किया जा सकता है, ऐसे चिकित्सकों को अनधिकृत चिकित्सा व्यवसायी माना जाता है। इसलिए दोनों व्यक्तियों के खिलाफ महाराष्ट्र चिकित्सा व्यवसाय अधिनियम, 1961 की धारा 33 और 36 और भारतीय दंड संहिता अधिनियम, 2023 की धारा 398 और 399 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मनपा के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि इस मामले में विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन के माध्यम से आगे की जांच की जा रही है।

जमानत पर छूटे अपराधी पुलिस की रडार पर

■ जांच के लिए अंबरनाथ पुलिस ने किया तलब

अंबरनाथ. पिछले कुछ महीनों में अंबरनाथ शहर में हुई घटनाओं के बाद शहर के विभिन्न इलाकों में दहशत का माहौल है। इसलिए पुलिस ने विभिन्न अपराधों में जमानत पर छूटे आरोपियों को थाने में तलब करना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ दिनों में अंबरनाथ और आसपास के इलाकों से जमानत पर छूटे 30 से अधिक अपराधियों को थाने में बुलाकर उनसे हलफनामा लिखवाया गया है। पिछले कुछ महीनों में अपराधियों ने अंबरनाथ शहर में आतंक मचाने की कोशिश की है।

इसके चलते अंबरनाथ शहर में कानून व्यवस्था का मुद्दा गंभीर हो गया था। इसलिए पुलिस ने इस अप्रत्यक्ष आतंक पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए थे। इसी के तहत जोन चार उल्हासनगर की ओर से पुलिस की टीमें सक्रिय कर दी गई हैं।

अंबरनाथ शहर और उसके आसपास के इलाकों में जमानत पर बाहर आए अपराधियों पर पुलिस ने अपना ध्यान केंद्रित कर लिया है। इसके तहत पुलिस ने पिछले कुछ दिनों में 30 से अधिक अपराधियों को थाने में तलब किया है। जोन 4 के पुलिस उपायुक्त ने मंगलवार से कुछ अपराधियों को पूछताछ के लिए बुलाया था। पता चला है कि इन आरोपियों से जमानत अवधि के दौरान किसी भी अपराध में शामिल न होने का हलफनामा भी लिखवाया जा रहा है।

अच्छे आचरण का लिया जा रहा हलफनामा

अंबरनाथ शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जमानत पर आए आरोपियों को बुलाकर पूछताछ की जा रही है। साथ ही उनसे अच्छे आचरण के संबंध में हलफनामा (बॉन्ड) भी लिया जा रहा है। अगर इसके बाद भी ये आरोपी किसी अपराध में शामिल पाए गए तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

-सचिन गोरे,
पुलिस उपायुक्त, जोन 4

उल्हासनगर में सड़कों की दयनीय स्थिति

■ सड़क के गड्ढे में बैठकर किया विरोध

उल्हासनगर. उल्हासनगर के अमरधाम चौक पर बारिश के दौरान सड़कों पर बने गड्ढे जलाशय में तब्दील हो गए। नागरिकों का धैर्य जवाब दे गया और एक युवक योगीराज देशमुख ने उसी सड़क पर बने एक बड़े गड्ढे में बैठकर मनपा की निष्क्रियता का अनोखे तरीके से कड़ा विरोध किया।

उल्हासनगर शहर की सड़कों की हालत दिन-प्रतिदिन बदतर होती जा रही है। जल निकासी, जलापूर्ति और विभिन्न कार्यों के लिए कई स्थानों पर सड़कों की खुदाई की गई, लेकिन काम पूरा होने के बाद उन सड़कों को बहाल करने की अपनी जिम्मेदारी मनपा ने नहीं निभाई। नतीजतन, शहर में सड़कों पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। बारिश के बाद अमरधाम चौक पर सड़कों पर बने गड्ढों में पानी जमा हो गया। वाहन मालिकों के लिए यातायात बाधित हो गया और पैदल चलने वालों के लिए सड़क पार करना मुश्किल हो

गया। इस स्थिति से तंग आकर मनसे पदाधिकारी योगीराज देशमुख ने वास्तव में गड्ढे में बैठकर अपना विरोध जताया। उनके विरोध का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और कई नागरिकों ने उनके इस कदम का समर्थन किया है। स्थानीय नागरिकों ने भी नगर निगम की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई है और तत्काल मरम्मत की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि नगर निगम सालों से एक ही समस्या की अनदेखी कर रहा है।

बीयर की दुकान में घुसकर बीयर बाक्स चुराए

उल्हासनगर. उल्हासनगर के सेंट्रल पुलिस स्टेशन की सीमा में एक विकलांग व्यक्ति की बीयर की दुकान में घुसकर उसमें से बीयर की पेटियां लूटने की घटना घटी। दुकानदार मुकेश बजाज दिव्यांग हैं और पंजाबी कॉलोनी रोड, कैंप नंबर 3 पर बिपिन बीयर शॉप नाम से उनकी दुकान है। छह महीने पहले इस दुकान पर डकैती का प्रयास हुआ था। लेकिन चूंकि कोई चोरी नहीं हुई थी या बीयर की पेटियां सुरक्षित थीं, इसलिए बजाज ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज नहीं कराई। हालांकि मंगलवार रात करीब अज्ञात चोर दुकान का शटर तोड़कर अंदर घुस गए। शुरुआत में दुकान से कुछ बीयर चुराने के बाद चोरों ने बीयर की 13 पेटियां एक रिक्शा में लाद लीं और भाग गए। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। दुकानदार मुकेश बजाज की शिकायत पर सेंट्रल थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है.

कालू नदी के किनारे अवैध बनी चालियों पर चलाया गया बुलडोजर

कल्याण. टिटवाला-कल्याण रोड पर कालू नदी के किनारे स्थित वन भूमि पर भू-माफियाओं ने अवैध रूप से चालियां बना ली थीं। मुख्य व्यस्त सड़क पर इन अवैध चालियों के निर्माण की सूचना मिलने पर, वार्ड ए के सहायक आयुक्त ने एक तोड़फोड़ दल की मदद से बुधवार को इस क्षेत्र में अवैध चालियों और चालियों के निर्माण के लिए बनाए गए ढांचों को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया। पिछले सात-आठ महीनों में वार्ड ए के सहायक आयुक्त प्रमोद पाटिल ने एक तोड़फोड़ दल की मदद से टिटवाला, मांडा, बाल्यानी और बनेली क्षेत्रों में 1,500 से अधिक अवैध ढांचे, 800 से अधिक वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को ध्वस्त कर दिया है। कई वर्षों में पहली बार टिटवाला क्षेत्र में इस तरह के अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पिछले आठ महीने से चल रहे इस अभियान ने भू-माफिया की कमर तोड़ दी है।

भू-माफियाओं ने टिटवाला से कल्याण तक मुख्य सड़क पर कालू नदी के किनारे अवैध रूप से चालियां बना ली थीं। एक चाल के अवैध

भूमाफियाओं को भारी नुकसान

इन अवैध चालियों को ध्वस्त करने से भू-माफिया को करीब 50 से 60 लाख रुपये का नुकसान हुआ। सहायक आयुक्त प्रमोद पाटिल ने बताया कि यह कार्रवाई इसलिए की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये माफिया दोबारा अवैध चाल बनाने की पहल न करें। यदि वार्ड ए की सीमा के भीतर टिटवाला क्षेत्र में बिना अनुमति के कोई निर्माण कार्य चल रहा है, तो वार्ड ए उसे ध्वस्त करने के लिए तत्काल कार्रवाई करता है। स्थानीय निवासी इन गतिविधियों से संतुष्ट हैं, जो पिछले आठ महीनों से चल रही हैं।

निर्माण के लिए 10 ढांचों का निर्माण किया गया था। यदि मानसून के मौसम में भारी बारिश होती तो ये चॉलें इस क्षेत्र में बहने वाले पानी को रोक देतीं। इस बात का डर था कि क्षेत्र में बाढ़ आ जाएगी। इन अवैध चालों और उनके हलों को ध्वस्त करना आवश्यक था, इसलिए अतिरिक्त आयुक्त योगेश गोडसे और उपायुक्त अवधूत तावड़े के मार्गदर्शन में सहायक आयुक्त पाटिल ने जेसीबी की मदद से टिटवाला कल्याण रोड पर कालू नदी के तट पर अवैध चालों को ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा, वे स्थान जहां जेसीबी तोड़फोड़ के लिए नहीं जा सकती थी। वहां हथौड़ों की मदद से किले को ध्वस्त करने का अभियान चलाया गया।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

सांसदों की उपस्थिति का लेखा-जोखा

संसदीय समितियों की बैठकों में सांसदों की कम भागीदारी वास्तव में चिंता का विषय है। लोग इस उम्मीद के साथ अपने प्रतिनिधि संसद में भेजते हैं कि उनके बुनियादी हितों की बात वहां सही तरीके से रखी जाएगी। मगर लोकसभा की वेबसाइट पर जारी आंकड़ों से पता चलता है कि निचले सदन की सोलह स्थायी समितियों की बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति औसतन महज साठ फीसद रही है। संसदीय समितियों की बैठकों में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की जाती है और जरूरी सुधारों का खाका तैयार किया जाता है।

इसका मकसद सरकारी योजनाओं और नीतियों को बेहतर ढंग से लागू करना और सभी पात्र लोगों तक इनका लाभ पहुंचाना होता है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि कई सांसदों के भीतर जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का अहसास क्यों नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद कई अवसरों पर संसदीय समिति और संसद की कार्यवाही में सांसदों की सहभागिता के महत्त्व को रेखांकित कर चुके हैं। मगर संसद की स्थायी समितियों में सांसदों के गैरहाजिर रहने का सिलसिला हैरान करने वाला है।

गौरतलब है कि संसद में विभिन्न मंत्रालयों से संबंधित अलग-अलग स्थायी समितियां होती हैं। कई बार सरकार की ओर से तैयार की गई योजनाओं और नई नीतियों व कानूनों का मसविदा इन समितियों के पास विचार के लिए आता है। आमतौर पर विपक्षी दलों की यह मांग रहती है कि कोई भी विधेयक सदन में पेश किए जाने से पहले विचार-विमर्श के लिए संबंधित स्थायी समिति के पास भेजा जाए। अफसोस की बात है कि इन समितियों की बैठकों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी का अहसास सांसदों में कम ही नजर आता है।

अंदाजा इस बात से लगाया सकता है कि इस वर्ष बीस मई को विदेश मंत्रालय से संबद्ध स्थायी समिति की बैठक में केवल तेरह सदस्य उपस्थित थे, जबकि 16 मई को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना विषय पर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्रालय से संबद्ध समिति की बैठक में केवल बारह सदस्य मौजूद थे। ऐसे में सांसदों से यह उम्मीद स्वाभाविक है कि वे संसद में तय किए जाने वाले नियम-कायदों या बनने वाली व्यवस्था में जनता के हित में संसदीय समितियों में होने वाले विमर्श के तहत सक्रिय भागीदारी करें।

हिंदुओं के लिए बंगाल में बन रहे बांग्लादेश जैसे हालात

कलकत्ता हाई कोर्ट की ओर से गठित तथ्य-खोजी समिति की मुर्शिदाबाद हिंसा संबंधी रिपोर्ट किसी को भी डराने के लिए पर्याप्त है। इस रिपोर्ट के बाद सारे आरोपों की पुष्टि हो गई। इस रिपोर्ट के पहले बंगाल पुलिस ने भी उच्च न्यायालय में अपनी रिपोर्ट पेश की थी। उसमें कुछ ऐसा लिखा था, '11 अप्रैल को लगभग 4.25 बजे भीड़ अनियंत्रित हो गई..पुलिस पर ईंट, पत्थर के साथ घातक हथियारों से हमला कर दिया गया।

उपद्रवियों ने एसडीपीओ जंगीपुर की पिस्तौल छीन ली और उनके वाहन के साथ सार्वजनिक संपत्तियों में आग लगा दी।' यह ध्यान देने की बात है कि हाई कोर्ट समिति की रिपोर्ट में पुलिस को ही सबसे ज्यादा कठघरे में खड़ा किया गया है।

हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक-एक सदस्य वाली तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। इसी समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि हिंसा हिंदुओं के विरुद्ध और सुनियोजित थी। तृणमूल के मुस्लिम नेता और पार्षद ने हिंसा का नेतृत्व किया। लोगों ने पुलिस से मदद मांगी, लेकिन उसने न हिंसा रोकने की कोशिश की और न लोगों को सुरक्षा देने की।

यदि तीन दशक पहले किसी राज्य में एक समुदाय के खिलाफ ऐसी भयानक हिंसा होती तो वहां की सरकार बर्खास्त हो जाती। अब ऐसा इसलिए कठिन है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने को असंवैधानिक ठहरा

सकता है।

शायद इसीलिए बंगाल के राज्यपाल ने अपनी रिपोर्ट में केंद्र से संवैधानिक विकल्पों पर विचार करने का सुझाव तो दिया था, लेकिन हालात बिगड़ने पर अनुच्छेद 356 (राष्ट्रपति शासन) को विकल्प बताते हुए लिखा था कि अभी इसकी जरूरत नहीं है। भयानक हिंसा के शिकार महिलाओं और बच्चों की दर्दनाक आपबीती के बावजूद ममता बनर्जी ने आरंभ में सहानुभूति का एक शब्द नहीं बोला था। वह, उनके मंत्री, प्रवक्ता आदि सब इसे भाजपा का षड्यंत्र बताते हुए बीएसएफ पर भी आरोप लगा रहे थे। कायदे से तो बीएसएफ की ओर से भी हाई कोर्ट में अपील दायर होनी चाहिए थी। आखिर किस आधार पर इतना संगीन आरोप मुख्यमंत्री ने लगा दिया?

हाई कोर्ट समिति की रिपोर्ट के अनुसार नए वक्फ संशोधन कानून के विरुद्ध प्रदर्शन की आड़ में हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया गया। बेतबोना गांव में 113 घर जला दिए गए। रिपोर्ट में लिखा है, 'एक उपद्रवी गांव में यह देखने भी आया कि किन घरों पर हमला नहीं हुआ और फिर भीड़ ने उन घरों में भी आग लगा दी।' गांव जला दिया गया, लेकिन पुलिस-प्रशासन निष्क्रिय बना रहा। हिंसक भीड़ ने पानी का कनेक्शन काटा, ताकि आग बुझाई न जा सके।

सबसे खौफनाक यह रहा कि महिलाओं के वस्त्र जला दिए गए, ताकि उनके पास पहनने को कपड़े न बचें। रिपोर्ट में यह भी लिखा है, 'हिंसा के शिकार गांव के लोगों ने लगातार दो दिन पुलिस को फोन किया, लेकिन फोन नहीं उठाया गया।' भाग कर मालदा शरण लेने गए पीड़ितों को पुलिस ने लौटने को विवश किया। साफ है कि सरकार की ओर से पुलिस-प्रशासन पर दबाव रहा होगा कि जान बचाकर भागे लोगों को जबरन बुलाया जाए, क्योंकि सरकार की थू-थू हो रही है। रिपोर्ट ने जिस तरह पुलिस-प्रशासन को कठघरे में खड़ा किया है, उससे वह सिर उठाने लायक भी नहीं। रिपोर्ट यह भी कहती है कि प्रशासन की तरफ से हिंसाग्रस्त इलाकों में किसी की मदद नहीं की गई। रिपोर्ट में लिखा है कि 'हमले स्थानीय पार्षद की तरफ से निर्देशित किए गए। हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि बंगाल में इसके पहले भी हिंदू त्योहारों पर हमले हुए हैं। विधानसभा चुनाव बाद की हिंसा में भी तृणमूल के विरुद्ध वोट देने वालों को हिंसक भीड़ से बचकर असम पलायन करना पड़ा था। हाई कोर्ट समिति के अनुसार बंगाल में गैर-मुसलमानों के विरुद्ध हिंसा करने वालों को पुलिस का साथ मिलता है।

अपने जीवन को प्रेम की मधुर धुन बनाइए!

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

मणिपुर में शांति बहाली का प्रयास जारी

मणिपुर में लंबे समय से शांति बहाली के प्रयास चल रहे हैं। वहां करीब दो वर्ष पहले मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव की शुरूआत के बाद हालात इस कदर बिगड़ गए कि उसे संभाल पाना राज्य की तत्कालीन सरकार के लिए संभव नहीं हुआ और इसी वजह से पूर्व मुख्यमंत्री एस बीरेन सिंह को आखिर इस्तीफा देना पड़ा। पिछले तीन महीने से वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। यों हिंसा और संघर्ष पर काबू पाने में नाकामी की वजह से पहले से ही वहां राष्ट्रपति शासन की मांग हो रही थी।

विडंबना यह है कि आज भी मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव को खत्म करना और सर्वसम्मति से समाधान तक पहुंचना मुमकिन नहीं हो सका है। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि वहां नई सरकार के गठन के लिए जो कवायद शुरू हुई है और किन्हीं हालात में यह संभव हो पाता है, तो क्या इससे मणिपुर की मौजूदा समस्या का कोई ठोस हल निकल सकेगा और क्या वहां हिंसा और टकराव का दौर खत्म हो पाएगा।

गौरतलब है कि मणिपुर में राजग के दस विधायकों ने राज्यपाल से मुलाकात कर चौवालीस विधायकों के समर्थन का हवाला देते हुए सरकार गठन की मांग की है। विधायकों के इस समूह ने सरकार गठन को जनता की इच्छा बताया।

लेकिन अगर इन विधायकों के साथ कुकी समुदाय के दस विधायक नहीं हैं, तो ऐसे में इस समूह के पास राज्य की सबसे मुख्य समस्या से पार पाने के लिए क्या योजना और दृष्टि है।

राज्य में नई सरकार बनाने के पक्ष में भाजपा सहित राजग के कई विधायक जरूर हैं, लेकिन भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व अब भी सरकार के बनाने के दावों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। वहीं केंद्र सरकार की ओर से मणिपुर में निकट भविष्य में राष्ट्रपति शासन नहीं हटाने की भी खबर आई है। ऐसे में नई सरकार के गठन की मांग के धरातल पर उतरने की उम्मीद फिलहाल आगे की बात लगती है। इसके बावजूद यह सच है कि मणिपुर में शांति बहाली और सामुदायिक टकराव के कारणों को दूर कर दूरगामी हल निकलना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए ही संभव है।

हालांकि मणिपुर में नई सरकार के गठन को लेकर चाहे जो भी कोशिशें चल रही हों, लेकिन फिलहाल सबसे जरूरी यह है कि वहां आम जनजीवन जिस अस्थिरता और आए दिन हिंसक सामुदायिक टकराव से दो-चार है, उसका कोई ठोस समाधान निकाला जाए। मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर दो वर्ष पहले जिस हिंसा की शुरूआत हुई थी, उसमें अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं। आज भी आए दिन गोलीबारी या हिंसक घटनाओं की खबरें आती रहती हैं।

हैरानी की बात यह है कि राज्य से लेकर केंद्र सरकार के तमाम प्रयासों और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के दखल के बावजूद कोई सार्थक नतीजा नहीं निकला। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच ऐसी खाई बन गई है, जिसे पाटे बिना किसी दीर्घकालिक हल तक नहीं पहुंचा जा सकता। मगर दोनों समुदायों में परस्पर विश्वास बहाली को लेकर ऐसा कुछ भी नहीं किया गया, जो संवाद का कोई सार्थक पुल तैयार करे और बातचीत के जरिए समस्या का समाधान निकालने की कोशिश हो। आज भी अगर मणिपुर का आम जनजीवन अस्थिर है, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है? जाहिर है, नई सरकार के गठन के प्रयासों के समांतर जरूरत इस बात की है कि वहां संघर्षरत समुदायों के बीच विश्वास और संवाद कायम किया जाए।

सिर से पांव तक छिपकलियों से लदा शख्स

जरा हट के

आज हम आपको एक ऐसा वीडियो के बारे में बताने जा रहे हैं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में एक शख्स के ऊपर सिर से लेकर पांव तक छिपकलियों ने कब्जा जमा रखा है. उस शख्स को देखकर ऐसा लगता है मानो ये इन छिपकलियों का पापा हो. सोशल मीडिया पर इस वीडियो को @sports.jx.china नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है. वीडियो का कैप्शन है, 'एक युवा चीनी शख्स अपने शहर को अलविदा कहता है और छिपकलियां पालने के लिए ग्रामीण इलाकों में लौटता है.' वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक शख्स अपने घर के अंदर मौजूद है. लेकिन उसके पैरों पर ढेर सारी छिपकलियां चढ़ी हुई हैं. उन छिपकलियों से वो शख्स बिल्कुल नहीं डर रहा है. कैमरा जैसे-जैसे उसके सिर की ओर बढ़ता है, तो दिखाई देता है कि

पूरे शरीर पर ही उसके छिपकलियों ने कब्जा जमा रखा है. लेकिन शख्स बड़े आराम से उन छिपकलियों को उठा रहा है. ऐसा लगता है कि इस शख्स ने छिपकलियों को पाल रखा है. वीडियो चीन का है.

सोशल मीडिया पर शख्स का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. अब तक इसे 1 करोड़ 20 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है. वहीं, 61 हजार से ज्यादा लोगों ने इसे लाइक किया है, जबकि 4 हजार से भी ज्यादा कमेंट्स आए हैं. वीडियो पर कमेंट करते हुए मनोज मेनन ने लिखा है कि एक पल के लिए तो मुझे लगा कि यह कोई डिज़ाइनर पैंट है और मुझे इसका डिज़ाइन बहुत पसंद आया. लेकिन अगले ही पल मैं हिल गया. मिरता मोराल्स ने कमेंट किया है, "हे भगवान! अगर मेरे साथ ऐसा कुछ हुआ तो मैं कुछ ही सेकंड में मर जाऊंगी, मुझे इनसे बहुत डर लगता है." कार्ला एडिथ ने लिखा है, 'मैं कुछ ही सेकंड में मर जाऊंगी, मैं बचपन से ही छिपकलियों से डरती रही हूं, आज भी जब मैं एक छिपकली देखती हूं तो मेरा ब्लडप्रेशर लो हो जाता है, मुझे झटके लगते हैं और दिल तेजी से धड़कने लगता है.'

शाही फिरनी

खाना-खजाना

खट्टे-मीठे और चटपटे दही भल्ले बाजार में खड़े होकर तो आप भी शौक से खाते होंगे, लेकिन आज हम आपको इन्हें घर पर बनाने की सबसे आसान रेसिपी शेयर करने जा रहे है।

सामग्री :

- उड़द की दाल - आधा किलो
- मीठी दही - 2 कप
- हींग - आधा टीस्पून
- अदरक - एक टी स्पून
- हरी मिर्च - 4-6
- धनिया पत्ती - 1 कप
- किशमिश - आधा कप
- अनार दाना - 4 टेबलस्पून
- कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर - 2 टीस्पून
- चाट मसाला - 4 टीस्पून
- इमली की चटनी - जरूरत के मुताबिक
- जीरा - 2 टी स्पून (रोस्ट किया हुआ)
- काला नमक - स्वादानुसार
- तेल - जरूरत के मुताबिक

विधि :

सबसे पहले उड़द की दाल लें, और इसे धोकर कम से कम 4 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। अब मिक्सर की मदद से इसका पेस्ट बना लें। इसमें हींग डालें और इसे क्रीमी होने तक फेंट लें। दाल के इस पेस्ट में धनिया, भुना जीरा, हरी मिर्च, अदरकस किशमिश और नमक डालकर अच्छे से मिला लें। एक कढ़ाई लेकर अब भल्लों को तेल में डीप फ्राई कर लें। इसके बाद इन्हें एक अलग बर्तन में निकाल लें।

फ्राई किए हुए इन भल्लों को नमक वाले पानी में भिगोकर कुछ देर के लिए रख दें। अब एक घंटे बाद इनका पानी निचोड़कर आप इसके ऊपर मीठी दही, भुना जीरा, इमली की चटनी, अनार दाना, चाट मसाला, गरम मसाला और धनिया पत्ती डालें। बस तैयार हैं आपके टेस्टी दही भल्ले।

शुगर लेवल को तेजी से बढ़ाते हैं ये 5 फूड

■ डायबिटीज में खाने की कर दी गलती तो बढ़ जाएगी आपकी मुसीबत

डायबिटीज के मरीजों को अपने खानपान का सबसे अधिक ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि शुगर लेवल के बढ़ने का खतरा रहता है. आप दिन भर जो भी खाते हैं और जितनी मात्रा में खाते हैं, उससे ब्लड ग्लूकोज लेवल काफी हद तक प्रभावित होता है. जब आप कार्बोहाइड्रेट से भरपूर फूड्स खाते हैं तो वह शरीर में जाकर शुगर में कंवर्ट हो जाता है. वहीं, फाइबर, प्रोटीन, फैट्स भी शरीर में ब्लड शुगर लेवल बढ़ने के लिए जिम्मेदार होते हैं. ऐसे में डायबिटीज होने पर कुछ फूड और ड्रिंक्स के सेवन से बचना चाहिए वरना शुगर लेवल तेजी से हाई हो सकता है.

शुगर वाले पेय पदार्थ- टीओआई में छपी एक खबर के अनुसार, शुगरी ड्रिंक्स, स्क्वैश आदि में एडेड शुगर जैसे सुक्रोज और हाई फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप होते हैं. इनका स्वाद भले आपको अच्छा लगता हो, लेकिन ये डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद नुकसानदायक साबित हो सकते हैं. अधिक सेवन से तेजी से शुगर लेवल शरीर में बढ़ता है.

आम- आम का मौसम है और अधिकतर लोगों को आम खाना

पसंद होता है, लेकिन इसमें अत्यधिक मात्रा में फ्रुक्टोज होता है और हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी, इसलिए आम अधिक खाने से तेजी से ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है. खासकर जब आप आम का जूस पीते हैं तो ये सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है.

शहद- अक्सर शहद को रिफाइंड शुगर की तुलना में अधिक फायदेमंद बताया जाता है, लेकिन शहद में भी फ्रुक्टोज और ग्लूकोज होता है. इसमें मौजूद हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा सकता है. ऐसे में बेशक शहद नेचुरल हो, लेकिन इसका सेवन भी कम मात्रा में ही करना चाहिए.

गन्ने का जूस- चाहे आप जूस पिएं या फिर प्रॉसेस्ड शुगर का सेवन करें, गन्ना सुक्रोज में हाई होता है. चूंकि, इसमें शुगर कॉन्टेंट अधिक होता है, इसलिए ये तेजी से शुगर लेवल को बढ़ा देता है. ऐसे में आपको डायबिटीज है तो इससे परहेज ही करें.

स्टार्च से भरपूर सब्जियां- फल और सब्जियां जिनमें मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर होते हैं, वे हेल्दी डाइड का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. लेकिन जब आप शुगर सिरप में प्रॉसेस्ड फल का सेवन करते हैं तो शुगर लेवल अधिक हो सकता है. फल की तुलना में जूस पीने से भी शुगर लेवल बढ़ता है. स्टार्च से भरपूर सब्जियां जैसे आलू, कॉर्न, मटर खाने से भी खून में शुगर लेवल हाई हो सकता है.

अचार के लिए खरीदना है कच्चा आम?

चटपटा, मसालेदार आम का अचार किसी भी खाने के स्वाद को बढ़ा देता है. यही वजह है कि देश के हर कोने में तरह तरह के अचार बनाने की परंपरा चली आ रही है. इसे बनाने के लिए कच्चे आम की जरूरत पड़ती है. इसके लिए खास वैरायटी के आमों को चुना जाता है. ऐसे आम जिनमें रेशा हो और गूदा भी भर कर हो. यह भी ध्यान रहे कि इसकी गुठलियां थोड़ी सॉफ्ट हों जिससे इसे काटा जा सके.

■ छिलकों पर नजर

अचार के लिए ऐसा आम चुनें जिसके छिलके मोटे हों. ऐसे आम अधिक खट्टे होते हैं और इनसे अचार का स्वाद काफी बढ़ जाता है. इन आमों को लंबे समय तक स्टोर करने में भी परेशानी नहीं आती है.

■ साइज जरूर देखें

पकाकर खाए जाने वाले आमों की तुलना में अचार वाले आमों का आकर थोड़ा छोटा और गोल होता है. इन आमों का रंग डीप ग्रीन होता है और ये छूने में भी सख्त होते हैं.

अगर आप ऐसे आम देखें तो आराम से इन्हें खरीद लें.

■ खुशबू का रखें ध्यान

जैसा कि आपको बताया गया कि खट्टे आमों का ही अचार अच्छा बनता है. ऐसे में जब आप उसे खरीदें तो एक बार सूंघकर जरूर देखें कि कहीं इसमें से मीठी खुशबू तो नहीं आ रही. अगर मीठी खुशबू है तो इसे ना खरीदें.

■ रेशे वाले आम खरीदें

रेशे वाले आमों का अचार अच्छा बनता है. इसलिए आप वो आम खरीदें जिसमें भरकर रेशे हों. आप दुकानदार से ऐसे आमों की पहचान कराकर ले सकते हैं. इन बातों का ध्यान में रखकर अगर आप आम खरीदेंगे तो आपका अचार परफेक्ट बनेगा.

आज का राशिफल

मेष : पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ : शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। चिंता बनी रहेगी।

कर्क : लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है। आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

सिंह : पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी।

कन्या : आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

तुला : प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे।

वृश्चिक : राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। अनहोनी की आशंका रहेगी।

धनु : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मकर : राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। नई समस्या आ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

कुंभ : आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे।

मीन : पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों से अपेक्षा न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। आय में निश्चितता रहेगी।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

चाहिए दोमुंहे बालों से छुटकारा तो कराएं हेयर डस्टिंग

पिछले कुछ समय से हेयर डस्टिंग काफी चलन में है। दरअसल, यह एक खास तरह की तकनीक है, जो आपके बालों के लिए लाभदायक है। बाल बहुत संवेदनशील होते हैं। धूल, मिट्टी, ज्यादा धूप से इनके दोमुंहे होने का खतरा बढ़ जाता है। दोमुंहे बाल किसी भी महिला को पसंद नहीं होते और सब इनसे छुटकारा पाना चाहती हैं। इस समय दोमुंहे बालों से छुटकारा पाने का सबसे अच्छा तरीका है 'हेयर डस्टिंग' कराना। इससे बालों की लंबाई पर कोई फर्क नहीं पड़ता है और आपके बाल भी स्वस्थ रहते हैं।

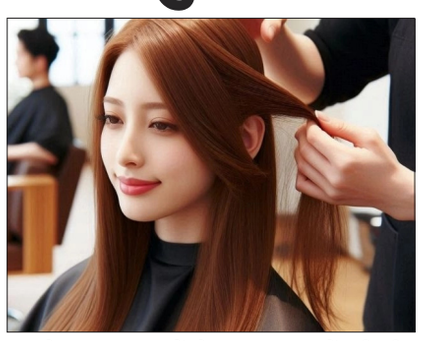

■ क्या है हेयर डस्टिंग

यह एक हेयर कटिंग तकनीक है, जिसमें बालों की लंबाई को बिना ज्यादा कम किए, केवल स्प्लिट एंड्स और डैमेज्ड हिस्सों को हटाया जाता है। सामान्य ट्रिमिंग में जहां दो से तीन इंच बाल काटे जाते हैं, वहीं हेयर डस्टिंग में केवल बालों के सिरे के क्षतिग्रस्त हिस्सों को ट्रिम किया जाता है। इस प्रक्रिया में 'डस्टिंग' शब्द का उपयोग इसलिए किया जाता है, क्योंकि इस तकनीक में हटाए गए बाल बहुत ही कम मात्रा में होते हैं, जैसे कि धूल के कण। अगर आप अपने बालों के लिए हेयर डस्टिंग का विकल्प चुनती हैं तो इससे आपके बालों को कई फायदे मिल सकते हैं।

■ बनी रहती है लंबाई

हेयर डस्टिंग में आपके बालों की लंबाई पर कोई खास असर नहीं पड़ता है। जो महिलाएं अपने बालों को बढ़ाना चाहती हैं, उनके लिए यह उपयुक्त है। हेयर डस्टिंग से स्प्लिट एंड्स और डैमेज्ड बालों को पहले ही हटा दिया जाता है, जिससे वे बालों के शाफ्ट (बालों की तीन परत) तक नहीं पहुंच पाते हैं और इससे बालों के डैमेज या टूटने की आशंका कम हो जाती है।

■ स्वस्थ रहते हैं बाल

हेयर डस्टिंग से आपके बाल अधिक हेल्दी और चमकदार नजर आते हैं। वहीं हेयर डस्टिंग से ओवरऑल हेयर हेल्थ में सुधार होता है, जिससे आपके बाल अधिक स्मूथ और सॉफ्ट नजर आने गलते हैं। साथ ही फ्रिज और उलझने जैसी समस्याओं को भी दूर करने में यह प्रक्रिया आपकी मदद करती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि डैमेज और दोमुंहे बाल ही आपके संपूर्ण बालों को अनहेल्दी और फ्रिजी बनाते हैं।

■ क्या है सही प्रक्रिया

हेयर डस्टिंग के लिए सबसे पहले अपने बालों को सीधा करना जरूरी होता है, ताकि स्प्लिट एंड्स और डैमेज्ड हिस्सों को आसानी से देखा जा सके। इसके बाद बालों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट दिया जाता है। फिर हर हिस्से के बालों में स्प्लिट एंड्स और डैमेज्ड बालों की पहचान की जाती है। ऐसा करने से डैमेज्ड बालों की पहचान करना आसान होता है। इसके बाद केवल उन बालों के सिरों को ट्रिम किया जाता है, जो विभाजित या क्षतिग्रस्त होते हैं। यह बहुत ही बारीकी से किया जाता है, ताकि बालों की लंबाई पर असर न पड़े।

यदि आप दोमुंहे बालों की समस्या से परेशान हैं और पार्लर जाने से बचना चाहती हैं तो आप घर पर भी हेयर डस्टिंग कर सकती हैं। इससे आपका समय भी बचता है। हेयर डस्टिंग बालों के साइज और टेक्सचर पर भी निर्भर करती है। वहीं हेयर फॉल से बचाव में भी यह आपकी मदद कर सकता है और बालों को डैमेज होने से रोक सकता है। हेयर डस्टिंग हर तरह के हेयर टाइप के लिए उपयुक्त है। चाहे आपके बाल सीधे हों, लहराते हुए हों या घुंघराले। बालों को स्वस्थ रखने के लिए आपको हेयर डस्टिंग हर 6 से 8 हफ्ते के बीच जरूर करानी

कब कराएं

हेयर डस्टिंग को हर 6-8 सप्ताह में करने की सलाह दी जाती है, खासकर अगर आपके बाल जल्द ही दोमुंहे नजर आने लगते हैं। वहीं जब आपके बाल देखने में ही डैमेज नजर आने लगें तो हेयर डस्टिंग कराएं।

–जया मिश्रा,
मेकअप एंड हेयर स्टाइल एक्सपर्ट

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

हिंदू युवती को बरगलाकर रेप में मुस्लिम युवक को उम्रकैद, लव जेहाद में कोर्ट का बड़ा फैसला

बाराबंकी. बाराबंकी की एक विशेष अदालत ने मुस्लिम युवक पर अपनी पहचान छिपाकर हिंदू युवती को अपने जाल में फंसाने और दुष्कर्म करने के मामले में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 80 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। युवक पर पुलिस दलित अधिनियम और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम यानी लव जेहाद की धाराओं में केस दर्ज कर गिरफ्तार किया था। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता कृपाशंकर तिवारी ने शुक्रवार को बताया कि देवा थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले वादी ने थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया था कि लखनऊ जिले के इटौंजा थाना क्षेत्र का रहने वाला सलमान 13 दिसम्बर 2023 को उसकी बहन को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। वादी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी सलमान के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की थी।

युवक की गोली मारकर हत्या

मेरठ. मेरठ में भावनपुर थाना क्षेत्र में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक का शव शुक्रवार सुबह काली नदी के पुल के निकट पड़ा मिला। पुलिस को मौके से एक स्कूटी, मोबाइल फोन, हत्या में प्रयुक्त तमंचा और कुछ पैसे भी मिले हैं। हत्या के पीछे की वजह रंजिश मानी जा रही है। युवक की हत्या की भनक लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। उन्होंने मोर्चरी के बाहर गढ़ रोड मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया। परिवार ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस की माने तो 2 साल पहले तुषार ने एक युवती से लव मैरिज हुई थी। परिजन लगातार इसका विरोध करते आ रहे थे। ससुरालियों से विवाद चल रहा था। दोनों परिवारों में रंजिश के चलते गुरुवार को भी दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी

पति ने तमंचे के बल पर मुंडवाया पत्नी का सिर

मेरठ. मेरठ में टीपीनगर के मलियाना शैखान चौक में पति के अवैध संबंधों का विरोध करने और दहेज की मांग पूरी न होने पर पति ने तमंचे के जोर पर विवाहिता का सिर मुंडवा दिया और तलाक देकर उसे घर से निकाल दिया। पुलिस से शिकायत के बाद भी पीड़िता एक से दूसरे थाने पर चक्कर काट रही है। गुरुवार को एसएसपी कार्यालय पर शिकायत पत्र देने के बाद पुलिस हरकत में आई। सीओ कोतवाली को जांच के आदेश दिए गए हैं।

तैयारी में कमी मत रखें, अभी तक तो वॉर्म-अप था

- **अगर अब PAK ने... राजनाथ सिंह की चेतावनी**

पणजी. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को पाकिस्तान को एक बार फिर से चेतावनी देते हुए दो टूक कहा है कि अगर इस बार फिर से कोई जुर्रत की तो नेवी भी हरकत में आएगी। भारत और पाकिस्तान के बीच कई दिनों तक चले तनाव के दौरान भारतीय नौसेना भी पूरी तरह से हमला करने के लिए तैयार थी। राजनाथ सिंह ने कहा, "मैं आप सभी से कहना चाहता हूं कि आप अपनी तैयारियों में कोई कमी न रखें। अब तक जो हुआ, वह तो वॉर्म-अप था, अगर पाकिस्तान से फिर से कोई जुर्रत की, तो इस बार नेवी भी हरकत में आएगी और फिर भगवान ही जानता है कि पाकिस्तान का क्या होगा।"

उन्होंने कहा, "मैं जानता हूं, पहलगाम के बाद आप सबके मन में प्रतिशोध की ज्वाला धधक रही थी। आपने इसे सिर्फ हमला नहीं, बल्कि देश की गरिमा पर चोट माना। आप सबसे मेरा सिर्फ एक ही आग्रह है, कि अपनी तैयारी में कोई ढिलाई न आने दें। प्रधानमंत्री ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है, कि भारत की धरती पर अगर कोई आतंकी हमला हुआ, तो उसे हम एक्ट ऑफ वॉर मानेंगे, और उसका जवाब उसी भाषा में देंगे।"

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान को यह साफ तौर पर समझ लेना चाहिए कि आजादी के बाद से वह भारत के खिलाफ आतंकवाद का जो खतरनाक खेल खेल रहा है, वह अब खत्म हो चुका है। गोवा के तट पर विमानवाहक पोत 'आईएनएस विक्रांत' पर नौसेना के योद्धाओं के साथ बातचीत में सिंह ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भारत आतंकवाद से निपटने के लिए उन तरीकों का इस्तेमाल करने में संकोच नहीं करेगा, जिनके बारे में पाकिस्तान सोच भी नहीं सकता।

'बोलने की आजादी है मगर...'

- **जजों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी यूट्यूबर को पड़ी भारी**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ के पत्रकार और यूट्यूबर अजय शुक्ला के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को अवमानना कार्यवाही शुरू की। शुक्ला ने अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए वीडियो में एससी के कुछ जजों के खिलाफ अपमानजनक और निंदनीय टिप्पणी की थी। चीफ जस्टिस बीआर गवई, न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने आज इस मामले पर सुनवाई की। बेंच ने निर्देश दिया कि आपत्तिजनक वीडियो को तुरंत हटा दिया जाए और चैनल को इस वीडियो या इसी तरह के कंटेंट को फिर से अपलोड करने से रोक दिया जाए। इसने वरप्रद मीडिया के प्रधान संपादक शुक्ला को नोटिस भी जारी किया।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने टिप्पणियों को बहुत गंभीर बताया। उन्होंने इस मुद्दे का स्वतः संज्ञान लेने के लिए पीठ के प्रति आभार व्यक्त किया। सीजेआई ने कहा, 'अजय शुक्ला ने उक्त वीडियो क्लिप में इस न्यायालय के कुछ वरिष्ठ न्यायाधीशों के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की हैं। यूट्यूब पर व्यापक रूप से प्रकाशित इस तरह के अपमानजनक आरोपों से न्यायपालिका की इस प्रतिष्ठित संस्था की बदनामी होने की आशंका है।' पीठ ने कहा कि संविधान बोलने की आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, लेकिन ऐसा अधिकार उचित प्रतिबंधों के जरिए प्रतिबंधित भी है।

बेंच ने कहा, 'न्यायालय के जजों के बारे में अपमानजनक आरोप लगाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। ऐसी टिप्पणियां अवमानना की प्रकृति की हैं और न्यायपालिका को अपमानित करती हैं।'

118 दुश्मन चौकियां तबाह

- **BSF के झटके से उबरने में पाकिस्तान को कई साल लगेंगे: अमित शाह**

नई दिल्ली. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तानी आक्रमण का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए सीमा सुरक्षा बल (BSF) की सराहना की। उन्होंने कहा कि जम्मू सीमा पर जवाबी कार्रवाई में 118 से अधिक दुश्मन चौकियां तबाह और क्षतिग्रस्त हो गईं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर की अपनी पहली यात्रा के दौरान शाह ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल ने दुश्मन के निगरानी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है, जो एक बड़ा झटका है। इसकी भरपाई करने में उन्हें वर्षों लग जाएंगे। सुरक्षा स्थिति, अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करने और पाकिस्तानी गोलाबारी के पीड़ितों से बातचीत करने के लिए जम्मू क्षेत्र के अपने दो दिवसीय दौरे के समापन पर केंद्रीय गृह मंत्री ने बीएसएफ जवानों की सराहना की। उन्होंने कहा कि तीन दिनों में 118 से अधिक चौकियों को क्षतिग्रस्त या नष्ट करना महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

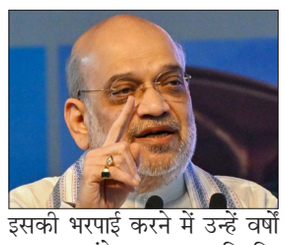

अमित शाह ने कहा, 'जब पाकिस्तान ने हमारी सीमाओं और नागरिक क्षेत्रों पर हमला करके हमारे आतंकवाद विरोधी अभियानों का जवाब दिया, तो यह बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के जवान थे जिन्होंने 118 से अधिक चौकियों को तबाह और क्षतिग्रस्त करके जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने दुश्मन की पूरी निगरानी प्रणाली को टुकड़े-टुकड़े करके नष्ट कर दिया, एक ऐसी प्रणाली जिसे दोबारा बनाने में उन्हें चार से पांच साल लगेंगे।' उन्होंने कहा कि बीएसएफ महानिदेशक से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान की संचार प्रणाली और निगरानी उपकरणों को सबसे बड़ा झटका लगा है। इससे वह काफी समय तक पूर्ण सूचना आधारित युद्ध लड़ने में असमर्थ हो जाएगा।

विजिलेंस टीम पहुंची तो खिड़की से फेंकने लगा 500-500 की गड्डियां

- **CE के घर 2 करोड़ कैश जब्त**

भुवनेश्वर. ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के एक अपार्टमेंट में उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब एक चीफ इंजीनियर के घर पर निगरानी विभाग की टीम छापा मारने पहुंची। इससे पहले कि विजिलेंस की टीम उस चीफ इंजीनियर के घर से भारी मात्रा में कैश बरामद करती, आरोपी चीफ इंजीनियर ने नाटकीय अंदाज में घर में रखे भारी मात्रा में नकदी को हटाना शुरू कर दिया। इसके लिए आरोपी चीफ इंजीनियर ने अपने अपार्टमेंट की खिड़की से दनादन 500-500 रुपये की गड्डियां नीचे फेंकनी शुरू कर दी। इससे अपार्टमेंट के पास नकदी की बारिश होने लगी। अपने घर की खिड़की से 500-500 के नोटों की गड्डियां भेजने वाले चीफ इंजीनियर की पहचान बैकुंठ नाथ सारंगी के रूप में हुई है, जो राज्य के ग्रामीण विकास विभाग में चीफ इंजीनियर के पद पर तैनात हैं।

विजिलेंस की टीम ने ओडिशा के अंगुल, भुवनेश्वर और पिपिली (पुरी) में सात स्थानों पर एक साथ छापेमारी के दौरान सारंगी के ठिकानों से लगभग 2.1 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की है। स्थानों पर छापेमारी की गई है, उनमें अंगुल के करदागड़िया में दो मंजिला आवासीय घर, भुवनेश्वर के दुमदुमा में एक फ्लैट, पुरी में एक और फ्लैट, अंगुल के शिक्षाकापाड़ा में सारंगी के रिश्तेदार का घर, अंगुल में पैतृक घर, अंगुल में पैतृक दो मंजिला इमारत और उनका दफ्तर भी शामिल है।

एक्सप्रेसवे पर कार से डेढ़ करोड़ रुपये समेत 450 ग्राम सोना सीज

मथुरा. यूपी में यमुना एक्सप्रेस वे पर कार से मिले करीब डेढ़ करोड़ रुपये और साढ़े चार सौ ग्राम सोने के मामले में आयकर विभाग ने व्यापारी दीपक खंडेलवाल को नोटिस थमा दिया है। उससे इसके बारे में दो दिन में जवाब मांगा है। बताते चलें कि गोविंद नगर थाना क्षेत्र की माधव कुंज कॉलोनी, मसानी रोड निवासी दीपक खण्डेलवाल सोने-चांदी की सप्लाई का व्यापार करता है। बुधवार को दीपक आगरा में सामान सप्लाई करने के बाद पेमेंट व बचा हुआ सोना लेकर अपनी कार से दिल्ली की ओर जा रहे थे।

NDA से लड़कियों का पहला बैच पास

- **148वीं पासिंग आउट परेड में 17 लड़कियां**
- **हरसिमरन के पिता हवलदार**
- **इशिता परिवार की पहली मिलिट्रीपर्सन**

पुणे. 30 मई को NDA से महिला कैडेट्स का पहला बैच पास हुआ। इतिहास में ये पहली बार है जब 17 महिला कैडेट्स 300 से ज्यादा पुरुषों के साथ NDA से ग्रेजुएट हुई हैं। ये सभी इंडियन आर्मी, नेवी और एयर फोर्स जॉइन करेंगी।

साल 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को NDA में शामिल होने के लिए अनुमति दी थी। दरअसल, बीते 75 सालों से महिलाओं को टेरिटोरियल आर्मी में ऑफिसर पदों पर भर्ती का प्रावधान नहीं था। इसके खिलाफ कुश कालरा ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां 18 अगस्त 2021 को कोर्ट ने पहली बार लड़कियों के लिए NDA में शामिल होने के दरवाजे खोल दिए। इस फैसले के बाद, 2022 में पहली बार 17 महिला कैंडिडेट्स का बैच NDA में शामिल हुआ, जो आज ग्रेजुएट हुए हैं।

जनरल वीके सिंह बोले- नारी शक्ति को सलाम

पासिंग आउट परेड पुणे के खडकवासला स्थित NDA परिसर में हुई। रिटायर्ड सेना प्रमुख जनरल वी के सिंह ने परेड की सलामी ली। उन्होंने कैडेट्स को प्रेसिडेंट्स अवॉर्ड दिए। जनरल सिंह ने कहा कि इतिहास में पहली बार इस ग्राउंड से लड़कियों का बैच भी पास हो रहा है। ये नारी शक्ति को सलाम है। उन्होंने कहा कि ये लड़कियों के लिए ट्रेनिंग का अंत नहीं है, बल्कि नई संभावनाओं की शुरुआत है।

सत्यमेव जयते
महाराष्ट्र शासन

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर यांच्या प्रेरणेतून मिळेल विकासाची नवी दिशा!

- चौंडी येथील स्मृतिस्थळाचा तीर्थस्थळ विकास आराखड्यात समावेश, यासाठी ६८१.३२ कोटी रुपयांचा निधी मंजूर; आणखी ७ तीर्थस्थळांचा विकास प्रस्तावित
- ऐतिहासिक जलस्रोतांच्या जतन व संवर्धनासाठी ७५ कोटी रुपयांचा निधी मंजूर; आणखी ३४ जलस्रोतांचे पुनरुज्जीवन व सुशोभीकरण करून इतिहासाला नवसंजीवनी देण्यात येणार
- अहिल्यानगर येथे शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय व अत्याधुनिक रुग्णालयाची स्थापना करण्यात येणार; १०० विद्यार्थी क्षमतेचे वैद्यकीय महाविद्यालय व ४३० खाटांचे रुग्णालय लवकरच उभारण्यात येणार
- धनगर समाजातील गुणवत्ताधारक विद्यार्थ्यांसाठीच्या वसतिगृह योजनेचे नामकरण 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर वसतिगृह योजना' असे करण्यात येणार
- नारी शक्तीचा जागर करण्यासाठी, महिलांच्या सर्वांगीण सक्षमीकरणासाठी 'आदिशक्ती अभियान' आणि 'आदिशक्ती पुरस्कार योजना' राबविणार
- अहिल्यानगर येथे मुलींसाठी विशेष शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था स्थापन करणार
- पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर यांच्या जीवनावर आधारित बहुभाषिक चित्रपटाची निर्मिती करण्यात येणार

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर यांना त्रिशताब्दी जयंतीनिमित्त विनम्र अभिवादन !

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

देवेंद्र फडणवीस
मुख्यमंत्री

एकनाथ शिंदे
उपमुख्यमंत्री

अजित पवार
उपमुख्यमंत्री

माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, महाराष्ट्र शासन
www.mahasamvad.in | MaharashtraDGIPR | MahaDGIPR

संक्षेप...

दो पक्षों के बीच लाठी-डंडों से हमला

भिवंडी. शांतिनगर में मामूली विवाद ने उग्र रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते दो गुटों के बीच लाठी-डंडों से हमला हो गया.पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस के मुताबिक, शांति नगर निवासी जिशान असलम अंसारी (23) ने दर्ज कराई है, कि सुबह करीब सवा सात बजे कुछ लोगों ने मामूली कहासुनी को लेकर समीम मतलूब अंसारी, फीम मतलूब अंसारी, शाहिद मतलूब अंसारी, तनवीर मतलूब अंसारी, नाहिद समीम अंसारी, तैबा फहीम अंसारी, सादिया शाहिद अंसारी और समा अकरम अंसारी आदि ने हमला किया.दूसरे पक्ष से साईद अख्तर मतलूब हुसैन अंसारी ने भी शांतिनगर पुलिस में मामला दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि जिशान अंसारी, मोहम्मद असलम अंसारी और शमीम अंसारी ने उनके ऊपर हमला किया और जान से मारने की धमकी दी.

पाकिस्तान को वॉरशिप की जानकारी देता था ठाणे का मैकेनिकल इंजीनियर

ATS ने किया बड़ा खुलासा

ठाणे. महाराष्ट्र ATS को मिली गुप्त जानकारी के आधार पर एक 27 वर्षीय भारतीय युवक को गिरफ्तार गया है, जो कि कथित तौर पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी Pakistan Intelligence Operative (PIO) के संपर्क में था और उसने किसी वॉरशिप की डिफेक्ट लिस्ट से जुड़ी जानकारी जो कि भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित संवेदनशील और गोपनीय जानकारी है, उसे सोशल मीडिया के जरिए शेयर किया था.

गिरफ्तार आरोपी का नाम रविन्द्र मुरलीधर वर्मा है जो कि ठाणे के कलवा इलाके का रहने वाला है. वह मैकेनिकल इंजीनियर है. महाराष्ट्र ATS के मुताबिक जांच में पता चला कि वो वर्मा नवंबर 2024 में फेसबुक के जरिए एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट के संपर्क में आया था. इसके बाद नवंबर 2024 से मई 2025 के बीच उसने वॉट्सऐप के माध्यम से वॉरशिप की डिफेक्ट लिस्ट जो कि गोपनीय और संवेदनशील क्षेत्रीय जानकारी है उससे जुड़ी जानकारी भेजी थी.

वर्मा और 2 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज

ATS ने वर्मा और उसके संपर्क में आए दो अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. ठाणे एटीएस यूनिट ने इन सभी पर गुप्तचर अधिनियम 1923 की धारा 3(1)(a), 5(1) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2) के तहत मामला दर्ज किया है.

वॉरशिप की डिफेक्ट लिस्ट से जुड़ी जानकारी शेयर की

सूत्रों ने बताया कि वर्मा क्रिसने डिफेंस टेक्नोलॉजी लिमिटेड कंपनी के लिए काम करता था और इस कंपनी को नेवल डॉक कुछ वॉरशिप से जुड़े कामों को सबलेट किया करती थी. वर्मा के पास प्रोहिबिटेड (प्रतिबंधित) इलाके में जाने का पास भी था, जिसकी मदद से वो वहां भी जा सकता था. सूत्रों ने बताया कि वर्मा के पास कुछ वॉरशिप की डिफेक्ट लिस्ट थी जिससे जुड़ी हुई जानकारी उसने साझा की, इसके अलावा वर्मा ने वॉरशिप से जुड़ी संवेदनशील जानकारी भी PIO को दी.

2 जून तक ATS कस्टडी में आरोपी

इस मामले में ATS वर्मा के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और उसके चैट्स निकाल रही है ताकि पूरी जानकारी इकट्ठा की जा सके कि उसने और किस तरह की जानकारी PIO के ऑपरेटिव्स को दी है. वर्मा को गुरुवार (29 मई) को कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे सोमवार तक ATS को कस्टडी में भेज दिया गया है.

मनपा में सफाई कर्मचारियों के वारिसों को नियुक्ति के आदेश

सफाई कर्मचारियों में खुशी का माहौल

ठाणे. प्रशासन ने ठाणे महानगरपालिका से सेवानिवृत्त, स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त और मृतक सफाई कर्मचारियों के मनपा सेवा में शामिल हुए 15 वारिसों को नियुक्ति आदेश जारी किए हैं, जिससे सभी सफाई कर्मचारियों में खुशी का माहौल है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद नरेश म्हास्के ने सफाई कर्मचारियों के उत्तराधिकार अधिकारों को लागू करने के लिए सरकार से बार-बार अनुरोध किया था। यह अनुरोध सफल रहा है और सफाई कर्मचारियों के वारिसों को नौकरी मिलने का रास्ता अब साफ हो गया है और सांसद नरेश म्हास्के ने प्रशासन को लंबित उत्तराधिकार नियुक्तियां तुरंत करने के निर्देश दिए हैं।

मनपा के सेवानिवृत्त, मृतक या स्वैच्छिक सेवानिवृत्त सफाई कर्मचारियों के उत्तराधिकारियों को

लाड-पागे समिति की सिफारिशों के अनुसार उत्तराधिकार अधिकार प्राप्त है, जिसके तहत मनपा में सफाई कर्मचारियों के संवर्ग में नियुक्ति का प्रावधान है। इस संबंध में सभी सफाई कर्मचारियों को उत्तराधिकार अधिकार प्रदान करने के संबंध में फरवरी 2024 के सरकारी निर्णय को उच्च न्यायालय की औरंगाबाद खंडपीठ में चुनौती दी गई थी। इस रिट याचिका में माननीय उच्च न्यायालय ने 8 जनवरी 2025 के स्थगन आदेश को हटा दिया और सरकार को सभी सफाई कर्मचारियों के उत्तराधिकारियों को उत्तराधिकार अधिकार द्वारा नियुक्ति आदेश जारी करने का निर्देश दिया। इस निर्णय के अनुसार सामाजिक न्याय और वित्त मंत्रालय ने जनवरी 2025 के अंत तक सभी सफाई कर्मचारियों के उत्तराधिकारियों को नियुक्ति आदेश जारी करने के आदेश जारी किए हैं।

इस संबंध में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद नरेश म्हस्के द्वारा निरंतर अनुसरण किए जाने के कारण सरकारी स्तर से उत्तराधिकार अधिकार द्वारा सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस संबंध में आयुक्त सौरभ राव के मार्गदर्शन अनुसार ठाणे महानगरपालिका प्रशासन ने विशेष अभियान चलाकर महानगरपालिका में सेवानिवृत्त, स्वैच्छिक सेवानिवृत्त और दिवंगत हुए 15 सफाई कर्मचारियों के उत्तराधिकारियों के लिए आज (30.05.2025) आदेश जारी किए गए। सफाई कर्मचारियों के उत्तराधिकारियों की आज हुई नियुक्ति से सभी कर्मचारियों में खुशी का माहौल है और उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद नरेश म्हस्के,मनपा आयुक्त सौरभ राव और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

भूमि अभिलेख लिपिक 3,000 की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

नवी मुंबई. भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए, भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ने वाशी उप अधीक्षक भूमि अभिलेख कार्यालय के लिपिक दिगंबर ढोले को 3,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। यह रिश्वत वाशी तालुका में कृषि भूमि की सीमा को चिह्नित करने के बदले में मांगी गई थी। वाशी निवासी शिकायतकर्ता ने समूह क्रमांक 444 कृषि भूमि की माप के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया था, जो उसकी माँ के नाम पर पंजीकृत थी। प्रक्रिया के अनुसार, भूमि अभिलेख कार्यालय के एक लोक सेवक ढोले द्वारा 7 मई, 2025 को भूमि की माप की गई थी। हालांकि, माप पूरा होने के बाद भी, शिकायतकर्ता को भूमि की सीमा को चिह्नित करने के लिए ढोले से अनुरोध करने में बार-बार देरी का सामना करना पड़ा। शिकायतकर्ता ने बताया कि ढोले ने कार्य को टालना जारी रखा और अंततः सीमा चिन्हांकन के लिए शिकायतकर्ता से 3,000 रुपये की रिश्वत मांगी। इसके बाद शिकायतकर्ता ने भ्रष्टाचार निरोधक विभाग से संपर्क किया, जिसने शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की। योजना के अनुसार, ढोले को शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

RTE के चौथे चरण में प्रवेश की समय सीमा बढ़ी

प्रवेश प्रक्रिया अब 9 जून, 2025 तक

ठाणे. शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए आरटीई 25% ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के तहत चौथे चरण में चयनित छात्रों के लिए प्रवेश पूरा करने के लिए अभिभावकों को विस्तार दिया गया है।इससे पहले 29 मई 2025 तक की समय सीमा दी गई थी, लेकिन अभिभावकों की प्रतिक्रिया को देखते हुए और कुछ अधूरी प्रवेश प्रक्रिया को एक अवसर देने के लिए अब यह समय सीमा बढ़ाकर 9 जून कर दी गई है।

अभिभावकों के लिए महत्वपूर्ण सूचना

चौथे चरण में चयनित विद्यार्थियों के अभिभावकों ने यदि अभी तक प्रवेश पूरा नहीं किया है तो वह आवंटन पत्र और आवश्यक दस्तावेजों के साथ निकटतम सत्यापन केंद्र पर जाकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करें।यह विस्तार अंतिम है और 9 जून के बाद कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा। इसलिए सभी अभिभावकों को समय पर प्रवेश की पुष्टि करनी चाहिए।मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे और शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) बालासाहेब राक्षे ने अपील किया है कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है। आरटीई के तहत यह प्रवेश अवसर सभी पात्र विद्यार्थियों तक पहुंचे यह सुनिश्चित करने के लिए अभिभावकों को समय पर और नियमित तरीके से प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए।ठाणे जिले में सभी पंचायत समिति और मनपा के अंतर्गत कुल 627 पात्र स्कूल हैं और कुल 11 हजार 320 रिक्तियां उपलब्ध हैं और अब तक 8 हजार 539 में प्रवेश दिया जा चुका है।

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट https://student.maharashtra.gov.in साथ ही, मदद के लिए शिक्षा विभाग स्थानीय शिक्षा विभाग बीईओ कार्यालय से संपर्क करने की अपील कर रहा है।

जिलाधिकारी अशोक शिनगारे के हाथों

विकसित कृषि संकल्प अभियान का उद्घाटन

ठाणे. जिलाधिकारी कार्यालय के प्रांगण में विकसित कृषी संकल्प अभियान का जिलाधिकारी अशोक शिनगारे के हाथ से हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन किया गया।अतिरिक्त जिलाधिकारी हरिश्चंद्र पाटील, मुंबई पशुवैद्यकीय महाविद्यालय सहयोगी अधिष्ठाता डॉ. शैलेश इंगोले, वरिष्ठ शास्त्रज्ञ व प्रमुख कृषी विज्ञान केंद्र ठाणे डॉ. सुरेश जगदाले, कृषी विज्ञान केंद्र डॉ. सलील हंडे, डॉ.मयुरा गोले, डॉ.संग्राम चव्हाण, डॉ.संजय कदम, निवासी उपजिलाधिकारी डॉ.संदीप माने, जिला कृषी अधिकारी रामेश्वर पाचे, तहसिलदार रेवण लेंभे, तहसिलदार सचिन चौधर व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।इस कार्यक्रम के अवसर पर किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए तैयार की गई सूचना पुस्तिका का विमोचन जिलाधिकारी अशोक शिंगारे द्वारा किया गया। 29 मई 2025 से 12 जून 2025 तक चलाए जाने वाले विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत मुरबाड, कल्याण, शहापुर, भिवंडी, अंबरनाथ तहसील के 6 गांवों में प्रतिदिन 90 गांवों का दौरा किया जाएगा। इन किसानों को यह सूचना पुस्तिका दी जाएगी।इस पुस्तिका में बकरी पालन, मूर घास बनाने की विधि, वैज्ञानिक तरीके से सफल डेयरी फार्मिंग, संकर चारा लगाने की विधि, पारंपरिक कृषि विकास योजनाएं, जैविक खेती के लिए जैविक खाद और फसल सुरक्षा दवाएं, बछड़े के आहार का वैज्ञानिक प्रबंधन, घटिया चारे की पैदावार बढ़ाने के लिए खाद्य प्रसंस्करण तकनीक, ढेलेदार चर्म रोग से प्रभावित पशुओं की देखभाल, कृषि मूल्य श्रृंखला विकास के लिए बालासाहेब ठाकरे कृषि व्यवसाय और ग्रामीण परिवर्तन (स्मार्ट) परियोजना की पहल, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का स्वरूप, एग्रीस्टैक पहल के तहत किसानों को मिलने वाली पहचान संख्या आदि की जानकारी दी गई है। किसानों को जानकारी से अवगत कराने के लिए जनजागृति वाहनों के माध्यम से इसका प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

नाइट्रो का फिट भारत अभियान

- तैराकी स्पर्धा में सैकड़ों बच्चों ने लिया हिस्सा
- अभिनेता अनूप सिंह ने बढ़ाया उत्साह

ठाणे. नाइट्रो वेलनेस अँड फिटनेस हब एवं वसंत फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से कोपरी में ओलंपिक साइज तैराकी स्पर्धा का आयोजन किया गया. नाइट्रो फिट इंडिया अभियान के तहत अध्यक्ष प्रबोध डावखरे के जन्मदिवस निमित्त आयोजित इस तैराकी स्पर्धा में बड़ी संख्या में बच्चों ने हिस्सा लिया. युवा समाजसेवी प्रबोध डावखरे ने बताया कि

इस उपक्रम का मुख्य उद्देश बच्चों व युवा पीढ़ी में फिटनेस, स्पर्धात्मकता और अनुशासन की भावना को जगाकर फिट भारत अभियान में उनकी सहभागिता को बढ़ाना है.कार्यक्रम में छावा फेम अभिनेता अनूप सिंह ने पुरस्कार देकर स्पर्धकों का उत्साह बढ़ाया.

नाइट्रो के ऑलिम्पिक साईज स्विमिंग पूल में 100 से ज्यादा विभिन्न वय के खिलाडियों ने भाग लिया. इस अवसर पर पूर्व नगरसेवक

भरत चौहान, ओंकार चौहान,वीर सिंह पारक्षा सहित कई अतिथि उपस्थित रहे. तैराकी स्पर्धा में खिलाड़ियों को डिस्ट्रिक्ट लेवल सर्टिफिकेट एवं अन्य भेंट वस्तु देकर सम्मानित किया गया. अनूप सिंह ठाकुर ने फिटनेस मंत्र भी दिया. फ्री स्टाइल तैराकी में हेतवी सुवर्ण,स्वरा पांचाळ,शमीका गोगटे, प्रणव तावडे, गुरुकांत पवार, ओंकार ठाकूर, रुनविका कोळी, सौम्या सायखेडकर ने तैराकी में विशेष प्रदर्शन किया.

युवक की हत्या के आरोप में नाबालिग हिरासत में

भिवंडी. भिवंडी में 15 वर्षीय लड़के को एक युवक की हत्या करने के आरोप में पुलिस ने हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह घटना बुधवार दोपहर भिवंडी के मानकोली इलाके के सुरई गांव में हुई।

नारपोली पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक भरत कामत के अनुसार, किशोर और 22 वर्षीय क़ैसर अज़गर अली बढ़ई का काम करते थे और एक मकान में फर्नीचर बना रहे थे। वहीं, खाना पकाने और बर्तन धोने को लेकर दोनों के बीच बहस हो गई।

बहस के दौरान किशोर ने कथित तौर पर अली पर प्लाई कटर से हमला कर दिया जिससे वह कंधे से गले तक गंभीर रूप से घायल हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि अली को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान बुधवार शाम उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि नाबालिग के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज कर उसे भिवंडी स्थित बाल सुधार गृह में भेज दिया गया है।

MSEB के सुरक्षा कर्मी ने रिक्शा में मिले 60 हजार किये वापस

ठाणे. एमईसीबी में कार्यरत सुरक्षा कर्मी अपनी ड्यूटी के बाद पार्ट टाइम जीवन यापन करने के लिए रिक्शा चलाने का कार्य भी करता है।

ठाणे स्टेशन जा रहा पैसेंजर का 60 हजार रुपये वाला बैग रिक्शा में ही छूट गया।ट्रेन में सब सामान गिनती में मौजूद मिला लेकिन पैसा वाला बैग नही था।इसकी जानकारी वह अपने पिता को दिया वह रिक्शा स्टैंड पर आकर इसकी जानकारी यूनियन को दी।यूनियन के माध्यम से सुरक्षा कर्मी शिवाजी वांद्रे को मिलते ही संबंधित व्यक्ति को ऑफिस में बुलाकर उसका बैग सुपुर्द कर ईमानदारी का मिसाल कायम किया। इस अवसर पर प्रफुल्ल गावडे ठाणे विभाग अध्यक्ष,मनोज भोमले विजेंद्र मानकर शाखा अभियंता गडकरी उपविभाग, सदानंद भुवड सेक्रेटरी ठाणे उपविभाग उपस्थित थे।

अरशद वारसी, उनकी पत्नी शेयर मार्केट से बैन

- साधना ब्रॉडकास्ट के शेयरों में हेराफेरी से 91 लाख कमाए थे
- 5-5 लाख का जुर्माना भी लगा

सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (SEBI) ने बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी और उनकी पत्नी मारिया गोरेट्टी को 1 साल के लिए शेयर मार्केट से बैन कर दिया है। यह कार्रवाई साधना ब्रॉडकास्ट के शेयरों में 'पंप एंड डंप' स्कीम के तहत हेराफेरी के मामले में हुई है। SEBI ने इनपर 5-5 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इन दोनों के अलावा इस मामले में 57 अन्य लोगों पर भी 1 से 5 साल तक का बैन लगा है।

पंप एंड डंप स्कीम एक तरह की शेयर बाजार धोखाधड़ी है। इसमें कुछ लोग मिलकर किसी कंपनी के शेयर की कीमत को गलत तरीके से बढ़ाते हैं, जैसे भ्रामक खबरें फैलाकर या झूठी सलाह देकर। जब कीमत ऊंची हो जाती है, तो वो अपने शेयर बेचकर मुनाफा कमा लेते हैं। इससे आम निवेशकों को भारी

नुकसान होता है, क्योंकि कीमत बाद में गिर जाती है।

सेबी ने स्कैम में शामिल लोगों पर क्या-क्या एक्शन लिए ?

अरशद वारसी, उनकी पत्नी और उनके भाई इकबाल वारसी को 1 साल के लिए मार्केट से बैन किया। 5-5 लाख का जुर्माना भी लगाया है।

सात मास्टरमाइंड को 5 साल के लिए बैन किया गया है। स्कीम में शामिल लोगों पर 5 लाख से लेकर 5 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगा है।

सभी 59 लोगों को 58.01 करोड़ रुपए का अवैध मुनाफा लौटाने का आदेश दिया है। जांच खत्म होने की तारीख से लेकर पैसे लौटाने तक 12% सालाना ब्याज भी देना होगा।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

ठाणे. दोपहर करीब 1 बजे नासिक-मुंबई रोड स्थित कोपरी ब्रिज के पास एक भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना स्काय वॉक के पास, गुरुद्वारे के सामने हुई, जहां पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार टाटा ट्रक ने एक होंडा शाइन बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान तसलीम मोहम्मद अन्सारी के रूप में हुई है।

हादसे के वक्त वह बाइक चला रहे थे और हेल्मेट नहीं पहना था, जिसकी पुष्टि ट्रैफिक पुलिस ने की है। बताया गया कि ट्रक चालक राहुल गोपाल मुछडिया, जो भुज

(गुजरात) से कोल्हापुर जा रहा था, अपने ट्रक में लगभग 35 टन केमिकल पाउडर लेकर जा रहा था। उसी दौरान यह दुर्घटना घटी। हादसे की सूचना मिलते ही नौपाडा पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, आपदा प्रबंधन की टीम तथा एंबुलेंस और पिकअप वाहन घटनास्थल पर पहुंचे। शव को जिला सरकारी अस्पताल, ठाणे भेजा गया है।

Staff Required
SINDHI MALE
Qualification
B.COM PASSED
For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN
Qualification-
10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

सिविल अस्पताल में घुटने की जोखिम भरी सर्जरी सफल

दूरबीन से लिगामेंट ट्रांसप्लांट और फटे मेनिस्कस की मरम्मत की गई युवा मरीज को राहत

ठाणे. निजी अस्पतालों में लाखों रुपये खर्च कर होने वाली घुटने की सर्जरी अब ठाणे सिविल अस्पताल में सफलतापूर्वक की जा रही है।गुरुवार को सिविल अस्पताल में 24 वर्षीय एक व्यक्ति के घुटने की खतरनाक जोखिम भरी सर्जरी दूरबीन द्वारा सफलतापूर्वक की गई।ओडिशा के मूल निवासी अजय (उम्र 24, नाम बदला हुआ) पांच साल पहले काम से जुड़ी एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। तब से पैर में लगातार दर्द हो रहा था। कुछ दिन पहले पैर में अधिक दर्द होने लगा था। एक्स-रे और एमआरआई जांच के बाद पता चला कि अजय के घुटने का एक लिगामेंट और मेनिस्कस पूरी तरह से फट गया था। अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक व हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. धीरज महांगड़े ने बताया कि यह स्थिति गंभीर एवं तकनीकी रूप से जटिल थी। घुटने के लिगामेंट एवं कार्टिलेज को पहले जैसी स्थिति में लाना थोड़ा चुनौतीपूर्ण था। इसलिए जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार के मार्गदर्शन में अजय की लेप्रोस्कोपिक सर्जरी करने का निर्णय लिया गया। गुरुवार को सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हो गई। अजय के घुटने में नया लिगामेंट लगाया गया है, साथ ही फटी हुई कार्टिलेज को भी ठीक किया गया है।इस सर्जरी को सफल बनाने के लिए डॉ. मोहन मुरुडे, डॉ. दीपेश पाटिल, डॉ. प्रियंका महांगड़े, डॉ. रूपाली यादव, जागृति गायकर मिलिंद दौंडे, रत्नाकर ठाकरे आदि ने अथक प्रयास किया। घुटने की सर्जरी किसी निजी अस्पताल में की जाती तो इसकी लागत लाखों में होती। लेकिन सिविल अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की विशेषज्ञता के कारण अजय को निशुल्क एवं प्रभावी उपचार मिला। सिविल अस्पताल में अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए है।

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
Late Shri. ASHOK U. BODHA
18-02-1945 to 19-12-2017
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099